

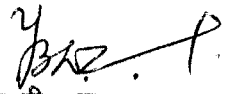
प्रा. डॉ. वायू. बी. धुमाळ
एम्. ए. पीएच्. डॉ.
रीडर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
वेणूताई चव्हाण कॉलेज, कराड

प्र मा ण प त्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कु. सुनिता आनंदराव कदम ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. फिल (हिन्दी) उपाधि के लिए "मली आगे मुड़ती. है में चित्रित छात्रआंदोलन : एक मूल्यांकन" शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। कु. सुनिता आनंदराव कदम के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

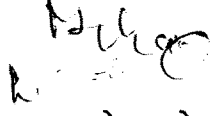
कराड


दिनांक : 30.5.94


डॉ. वायू. बी. धुमाळ
शोध-निर्देशक

- प्र मा ण प त्र -

हम संस्तुति करते हैं कि इस लघु-शोध-प्रबंध को परीक्षा हेतु अग्रेषित किया जाए।


पुरुषोत्तम शेठ
प्राचार्य,
लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
सातारा।


डॉ. गजानन सुर्वे
रीडर एवं अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
लालबहादुर शास्त्री कॉलेज,
सातारा

सातारा

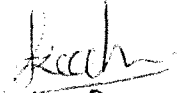
दिनांक : 27-5-1995

- प्र ख्या प न -

यह लघु-शोध-प्रबन्ध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल् के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्व-विद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

कराड

दिनांक : 27.5.95


कु. कदम सुनिता आनंदराव